

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, राजा, सत्र 30, भाग 1

2 राजा 24-25, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

मैं चाहता हूँ कि हम वाकई एक सकारात्मक नोट पर समापन कर सकें, लेकिन वास्तव में, पुस्तक उस तरह से समापन नहीं करती है। हालाँकि, जैसा कि आप यहाँ मेरे द्वारा चुने गए शीर्षक से देख सकते हैं, यह हमें अंत में आशा की एक छोटी सी किरण देता है, और हम इसके बारे में बात करेंगे। मैंने पिछले सप्ताह इस अद्भुत 20 या 25 वर्षों के बारे में बात की थी जो यहाँ घटित होते हैं।

योशियाह की मृत्यु 609 में हुई। मुझे लगता है कि उसके दो बेटों में से छोटे बेटे को, संभवतः सरकार में मिस्र विरोधी गुट द्वारा, गद्दी पर बिठाया गया था, और वह केवल तीन महीने तक ही टिक पाया, यहोआहाज, मिस्रियों ने उसे गद्दी से उतार दिया और भूमि पर भारी कर लगा दिया। उन्होंने उसके बड़े भाई, यहोयाकीम को गद्दी पर बिठाया, और मेरे विचार से, यहोयाकीम ही सच्चा राजनीतिज्ञ है। अब, अगर यहाँ कोई राजनीतिज्ञ है, तो मुझे खेद है, लेकिन वह एक निंदक है, वह एक संशयवादी है, और वह सत्ता के बल पर शो चलाता है।

जब नबूकदनेस्सर 605 में आया तो उसने मिस्रियों से लेकर बेबीलोनियों तक के घोड़े बदल लिए और फिर जब बेबीलोनियों को मिस्र की सीमा पर झटका लगा तो उसने फिर से पक्ष बदल लिया और बेबीलोनियों के खिलाफ विद्रोह कर दिया। वे अपनी हार से उबर गए और वापस आकर उस जगह को घेर लिया। जॉय, आई कैन रहस्यमय तरीके से मर गया।

हमें ठीक से नहीं पता कि क्या हुआ, लेकिन उसके 18 वर्षीय छोटे बेटे, यहोयाकीम ने उसका उत्तराधिकारी बना और तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया। उसे और बाकी शाही परिवार को बेबीलोन में निर्वासित कर दिया गया, और बेबीलोनियों ने उसके चाचा, योशियाह के तीसरे बेटे को यहूदा के सिंहासन पर बैठा दिया, सिंहासन पर उसका नाम मत्तन्याह से बदलकर सिदकिय्याह रख दिया और सिदकिय्याह एक ऐसा व्यक्ति है जो ध्रुव द्वारा शासन करता है। जिस तरफ हवा चल रही है, वह उसी तरफ बह रहा है, और अंततः, उसने विद्रोह कर दिया, और बेबीलोनियों को यह मंजूर था।

आया, शहर को घेर लिया, उसे नष्ट कर दिया, उसे मार डाला, ठीक है, उसने उसे नहीं मारा, हम इस बारे में बात करेंगे, लेकिन यह कहानी है। तो आइए फिर से यहोआहाज को देखें, तीन महीने, लेकिन एक बार फिर, श्लोक 32 में, उसने यहोवा की नज़र में बुरा किया, ठीक वैसे ही जैसे उसके पूर्वजों ने किया था। और अगर हम यहोयाकीम को देखें, तो उसके बारे में भी यही कहा गया है, कि उसने भी वैसे ही बुरा किया जैसा उसके पूर्वजों ने किया था।

अब मैं सोचता हूँ, इसका क्या मतलब है? उनके पिता, योशियाह, एक बहुत अच्छे इंसान थे, लेकिन हम जो कह रहे हैं, मुझे लगता है, हम बहुत पुराने पूर्वजों के बारे में बात कर रहे हैं, बहुत पहले, खासकर मनश्शे और अम्मोन के बारे में। जैसा कि मैंने कई बार कहा है, यह बिल्कुल स्पष्ट

है कि मनश्शे ने एक पैटर्न बनाया, न कि उस मार्कर और उस पैटर्न में एक ब्रेक था जो योशियाह था, लेकिन पैटर्न सीधे आगे बढ़ता गया। इसलिए, हमें कई बार बताया गया है कि मनश्शे के पापों के कारण यहूदा बंदी बना लिया गया।

लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि हम उन चीजों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं जो मनश्शे ने खुद बहुत की थीं, हालाँकि उसने 52 सालों में कई भयानक काम किए थे। लेकिन हम उन पापों के बारे में बात कर रहे हैं जो उसने राष्ट्र में बोए थे और जो आगे बढ़ते रहे, सिवाय योशियाह की घटना के, अगर मैं इसे ऐसा कह सकता हूँ। इसलिए जब हम राष्ट्रों और राष्ट्रों के इतिहास के बारे में सोचते हैं, तो हमें लंबी अवधि के बारे में सोचना होगा।

हम अमेरिका में पिछले दो शताब्दियों से ईश्वरीय लोगों की प्रेरणा पर जी रहे हैं। प्रेरणा तेजी से खत्म हो रही है। तो फिर आपके और मेरे लिए सवाल यह है कि हम अपने परिवारों में, अपने वंश में, देश में चाहे जो भी हो, किस प्रेरणा का निर्माण कर रहे हैं? मैं अपने इतिहास पर नज़र डालता हूँ और विश्वासियों की पीढ़ियों के लिए बहुत आभारी हूँ।

करेन के परदादा, क्या यह सही है? क्या वह हैरी के पिता या हैरी के दादा हैं? ठीक है, परदादा मेथोडिस्ट थे, ठीक है, वह नहीं थे, वह अपस्टेट न्यूयॉर्क में ब्रेथ्रेन सर्किट लेखक थे, जॉन वेस्ली क्लार्क। तो फिर, वहाँ एक विरासत है जो भगवान से प्रार्थना करती है। तो सवाल यह है कि आप और मैं एक रेखा कैसे स्थापित करते हैं, चाहे हमारे देश में कुछ भी हो? हम प्रार्थना कर सकते हैं, और हमें प्रार्थना करनी चाहिए।

लेकिन मुद्दा यह है कि आप और मैं किस तरह की मिसाल कायम कर सकते हैं ताकि चार पीढ़ियों बाद यह कहा जा सके कि एक बच्चा अपने पिता या अपनी माँ के रास्ते पर चला? इसे स्वीकार करें, भगवान, इसे स्वीकार करें। अब, आप क्यों मानते हैं कि यह शुद्ध अटकलें हैं, लेकिन भगवान हमें इसके लिए आमंत्रित करते हैं? आप क्यों मानते हैं कि वह योशियाह के पदचिन्हों पर नहीं चला? योशियाह ने शासन किया था; जब वह मरा तो उसकी उम्र 39 वर्ष थी, लेकिन उसने 31 वर्षों तक शासन किया, जब वह आठ वर्ष का था, क्षमा करें, 12, बेहतर होगा कि इसकी जाँच करें, आठ, हाँ, अच्छा, ठीक है।

कभी-कभी याददाश्त पर काम करना बहुत अच्छा होता है। तो, उसने उन वर्षों तक शासन किया, उसने स्पष्ट रूप से परमेश्वर के लिए ऊर्जावान जीवन जिया था। आपको क्या लगता है कि यहोआहाज ने उसका अनुसरण क्यों नहीं किया? शासन करने में व्यस्त हो गया, खैर, उसने केवल तीन महीने तक शासन किया।

मिस्र से डरना, बहुत संभव है। उसकी माँ लिब्राह से थी, एक शहर जिसे जोशुआ ने नष्ट कर दिया था। यह बहुत, बहुत संभव है कि इन तीनों लड़कों में यही चल रहा हो।

योशियाह के तीनों पुत्र यहोआहाज, यहोयाकीम और सिदकिय्याह में से किसी ने भी अपने पिता का अनुसरण नहीं किया। जैसा कि आप शायद जानते होंगे, अगर आप इजरायली नागरिक

बनना चाहते हैं, तो आपको यह साबित करना होगा कि आपकी माँ यहूदी थी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके पिता कौन थे।

वह हंगेरियन हो सकता है, लेकिन वह एक महान यहूदी नेता भी हो सकता है। लेकिन अगर आपकी माँ यहूदी नहीं है, तो आप इज़राइल के नागरिक नहीं बन सकते। उन्होंने समझा।

और निश्चित रूप से, इस स्थिति में जहाँ आपके पास हरम है, बच्चे अपनी माताओं के प्रभाव में हैं। इसलिए यहाँ, मदर्स डे के दो दिन बाद, माताओं, आपका प्रभाव महत्वपूर्ण है। अब, हम यह नहीं जानते।

फिर से, मैं कहता हूँ कि यह अटकलें हैं, लेकिन यह मेरे लिए बहुत दिलचस्प है कि, किसी कारण से, योशियाह का अपने बेटे के जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। त्रासदी का एक हिस्सा। तो फिर अध्याय 24, श्लोक 3 और 4 को देखें। ये बातें यहूदा के साथ वचन की आज्ञा के अनुसार हुईं ताकि मनश्शे के पापों और उसके द्वारा किए गए सभी कामों के कारण उन्हें उसकी उपस्थिति से दूर किया जा सके।

यही है। उन्होंने एक ऐसा मार्ग तय किया जो लोगों के दिलों और दिमाग में नहीं बदला। सच तो यह है कि हम नीचे की ओर खिसक रहे हैं।

आपको ऊपर चढ़ने के लिए चढ़ाई करनी होगी। इसलिए यह आसान है, मूर्तिपूजक बनना आसान है। अपने पर्यावरण, अपने जीवन, अपनी प्रकृति पर अपना नियंत्रण छोड़ना और उसे ऐसे ईश्वर के हाथों में सौंपना मुश्किल है जिसे आप देख नहीं सकते।

इसलिए जिस तरह से उसने अपने लोगों को आगे बढ़ाया वह आसान था। और जोशियाह उन्हें जिस ओर बुला रहा था, वह कठिन था। और वे स्पष्ट रूप से उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते थे।

तो फिर, ऐसा नहीं है कि मनश्शे ने बुरे काम किए थे, और इसलिए, चाहे लोगों ने बाद में कितने भी अच्छे काम किए हों, परमेश्वर उन्हें सज़ा देने वाला था। नहीं, मनश्शे ने एक ऐसा मार्ग तय किया जिसका अनुसरण करने में वे खुश थे। और जैसे ही योशियाह चला गया, वे बिना किसी शिकायत के, स्पष्ट रूप से, अपने पुराने तौर-तरीकों पर वापस लौट आए।

तो यहोआहाज और यहोयाकीम दोनों ही मनश्शे द्वारा स्थापित एक ही मार्ग पर चल रहे हैं। अब, हम यिर्मयाह की पुस्तक से यहोयाकीम के बारे में सबसे अधिक जानते हैं। और मैं चाहता हूँ कि आप यिर्मयाह में एक अंश देखें जो दर्शाता है कि यहोयाकीम कौन था।

परमेश्वर ने यिर्मयाह से कहा, यहूदा में योशियाह के पुत्र यहोयाकीम के राजा बनने के चौथे वर्ष में, परमेश्वर ने यिर्मयाह को यह संदेश दिया: एक पुस्तक लो, इस्राएल, यहूदा और अन्य राष्ट्रों के विरुद्ध मेरे सभी संदेश लिखो। योशियाह के दिनों के पहले संदेश से शुरू करो। वर्तमान समय तक के हर संदेश को लिखो।

शायद यहूदा के लोग पश्चाताप करेंगे जब वे फिर से उन सभी भयानक चीजों को सुनेंगे जो मैंने उनके लिए योजना बनाई हैं। तब, मैं उनके पापों और गलत कामों को माफ कर पाऊंगा। और यह बहुत दिलचस्प है।

ओह, रास्ता तय हो गया है। मनश्शे ने कुछ काम किए, और मनश्शे के पापों के कारण उन पर न्याय आने वाला है। जब तक, जब तक वे पश्चाताप नहीं करते।

और अगर वे पश्चाताप करते हैं, तो मुझे उन्हें माफ़ करने में खुशी होगी। देखिए, यही बात मैंने आपसे पहले भी इस्राएली भविष्यवाणी के बारे में कही है। बुतपरस्तों के लिए, आप सितारों को देखते हैं, आप भेड़ के जिगर को देखते हैं, आप पक्षियों की उड़ानों को देखते हैं, और आप कहते हैं कि यह कल होना ही है।

यह इन सभी चिह्नों के आकार से पूर्वनिर्धारित है। हिब्रू भविष्यवक्ता कहता है, मनश्शे के पापों के कारण, यदि तुम पश्चाताप नहीं करोगे तो तुम बंदी बनाये जाओगे। और तुम्हें ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है।

कैद एक पूर्वनिर्धारित निष्कर्ष है। मनश्शे, जब तक कि आपके विकल्प नहीं बदलते। बाइबिल की भविष्यवाणी मानव स्वतंत्रता और जिम्मेदारी की महिमा पर आधारित है।

तो, यह मेरे लिए बहुत दिलचस्प है। मैं एक भविष्यवक्ता को देखता हूँ जो कहता है। जकर्याह की तरह, यरूशलेम फिर कभी नहीं गिरेगा।

तब से यह कई बार गिर चुका है। जकर्याह जकर्याह ही था, एक झूठा भविष्यवक्ता। नहीं।

अगर वे वफ़ादार होते, अगर वे विश्वास करते तो यरूशलेम कभी नहीं गिरता। हम इस बुतपरस्त मानसिकता में पड़ जाते हैं।

ओह, भगवान ने इसकी भविष्यवाणी की थी। तो, यह होना ही था। कोई बात नहीं।

नहीं, यहूदा। इतनी देर से भी। निर्वासन से बचा जा सकता था।

ऐसा होने की संभावना है। नहीं। जो पैटर्न स्थापित हो चुका है और जिस आसानी से हम पापपूर्ण व्यवहार में पड़ जाते हैं, उसे देखते हुए।

लेकिन क्या इसे बदला जा सकता है? बिल्कुल। तो खैर, यह रहा। इसे लिख लें।

इसे लिख लें। योआकिम के शासन को चार साल हो चुके हैं। वह बेबीलोनियों को बेचने वाला है।

एक स्कॉल लें। अपने द्वारा दिए गए हर संदेश को लिखें। वाह!

किसी की याद्दाश्त अच्छी थी। लेकिन, उन दिनों यह काम शिष्य का था। शिष्यों से अपेक्षा की जाती थी कि वे गुरु द्वारा कही गई हर बात को याद रखें।

इसलिए उसने बारूक नामक शास्त्री को बुलाया। उसने सारी बातें लिखकर एक पुस्तक में लिख लीं और बारूक मंदिर चला गया।

वह यहाँ 3 से 21 के बीच की आयतें उद्धृत कर रहा है। बारूक एक त्यौहार के दिन मंदिर गया, जब वहाँ बहुत से लोग थे। और उसने इसे पढ़ा।

और कुछ लोग ऐसे भी थे जो चौंक गए। जो यह सुनकर दंग रह गए। और उन्होंने कहा, अरे, कुछ नेताओं को यह सुनने की ज़रूरत है।

और इसलिए, नेताओं ने इसे लिया और इसे पढ़ा। और अंत में, यह बात योआकिम तक पहुँची। राजा ने यहूदी को पुस्तक लाने के लिए भेजा।

यहूदी ने इसे एलीशामा के कमरे से लाया और राजा को पढ़कर सुनाया, जबकि उसके सभी अधिकारी पास खड़े थे। यह देर से शरद ऋतु थी, और राजा अपने महल के एक शीतकालीन भाग में, गर्म रहने के लिए आग के सामने बैठा था। जब भी यहूदी ने तीन या चार कॉलम पढ़े, राजा ने चाकू लिया और स्कॉल के उस हिस्से को काट दिया।

उसने उसे आग में फेंक दिया, एक-एक करके। जब तक कि पूरा स्कॉल जलकर राख नहीं हो गया। न तो राजा और न ही उसके सेवकों ने जो कुछ सुना उससे डर या पश्चाताप का कोई संकेत दिखा।

यहाँ तक कि जब एलनाथन, दलीयाह और गमर्याह ने राजा से विनती की कि वह पुस्तक न जलाए, तब भी उसने उसकी बात नहीं सुनी। यही वह आदमी है। अब, आप सोचिए कि जब उन्होंने योशियाह को व्यवस्थाविवरण पढ़कर सुनाया तो उसने क्या किया। उसने पीड़ा में अपने कपड़े फाड़ डाले।

क्या यह भगवान का वचन है? हे भगवान। लेकिन यह आदमी नहीं। यह आदमी नहीं।

तो, वह पहले मिस्री है, फिर बेबीलोनी है। फिर, जब उसे लगता है कि वह बेबीलोनियों के खिलाफ विद्रोह कर सकता है, तो वह विद्रोह करता है और कीमत चुकाता है। हे भगवान।

शब्द के प्रति कठोर हो जाना इतना आसान है कि यह बस एक किताब बन कर रह जाता है। एक पुरानी किताब। एक प्राचीन किताब।

नहीं। नहीं। यह परमेश्वर का वचन है। उस छोटी सी पुस्तक में परमेश्वर का प्रकट वचन है, हमेशा के लिए और आज रात के लिए।